दिल का हाल बताएगा फोन

हृदय रक्त वाहिनी रोग जैसी महामारी की चपेट में आ रहे लाखों लोगों के लिए खुशखबरी है। भारतीय अनुसंधानकर्ताओं ने एक ऐसा स्मार्टफोन बनाया है जो इस्तेमाल करने में आसान है और यह बता सकता है कि आपका हृदय कैसे काम कर रहा है।

एक बार ग्लोबल एलाएंस फॉर क्रॉनिक डिसीज़ रिसर्च ग्रांट भारत में शुरू हो जाने पर इस स्मार्टफोन यंत्र से हृदय सम्बंधी जोखिम को बहुत आसानी से जांचा जा सकेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन भारतीय गांवों में काम कर रहे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इस स्मार्टफोन का इस्तेमाल करना सिखलाएगा। इसके ज़रिए वे मरीज़ का ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, वज़न और कद का पता लगा सकेंगे।

इस स्मार्टफोन के कई उपयोग हो सकते हैं। इसमें एक एप्लिकेशन है हेल्थ ट्रेकर। यह व्यापक जोखिम का आकलन कर उसे एक इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड में अपलोड कर सकेगा। योजना यह है कि ज़्यादा जोखिमग्रस्त व्यक्तियों को एक डॉक्टर को रेफर किया जा सकेगा जो उस व्यक्ति के लिए लंबे समय का एक मेनेजमेंट प्लान तैयार करने में मदद करेगा। जॉर्ज इंस्टीट्यूट के मुताबिक इस प्रोजेक्ट को सबसे पहले गांवों में लागू किए जाने की कोशिश है। ऑस्ट्रेलिया की स्वास्थ्य संस्था दी नेशनल हेल्थ और मेडिकल रिसर्च कॉउन्सिल इस प्रोजेक्ट पर 15 करोड़ खर्च करेगी।

हृदय फोन प्रोजेक्ट के प्रमुख डेविड पेरिस का कहना है कि भारत में हृदय रोग महामारी के बढ़ते प्रकोप में यह एक वरदान साबित हो सकता है और गांवों में इसे बड़े स्तर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

जॉर्ज इंस्टीट्यूट की प्रबंधक अनुष्का पटेल का कहना है कि हृदय रक्तवाहिनी स्वास्थ्य के अलावा इस अनुदान का इस्तेमाल नेशनल सॉल्ट रिडक्शन प्रोग्राम, उच्च रक्तचाप के लिए सस्ती दवा उपचार की खोजबीन और स्मार्टफोन आधारित स्वास्थ्य देखभाल तकनीकों का आकलन करने में किया जाएगा।

आशा है कि यह प्रोजेक्ट भारत में हृदय रक्तवाहिनी बीमारियों से ग्रस्त 30 करोड़ लोगों के एक बड़े हिस्से तक पहुंच बना पाएगा। ***(स्रोत फीचर्स)***